" **परियोजना** का शीर्षक"

“वाण भाटट की कृतियो में भुकनासोपदे ा का स्थान और महत्व”

"परियोजना कार्य”

"बी. ए (संस्कृत) की डिग्री के लिए आवश्यकताओं की आंशिक पूर्ति में प्रस्तुत"

2024

"पर्यवेक्षक"

"डॉ मानि ा सिंह

संस्कृत विभाग प्रमुख

जे .एस विश्वविद्यालय,

शिकोहाबाद, उत्तर प्रदेश

“ भोधार्थी”

विवेक राजपूत

क्रमांक सख्या–213080004488

कला संकाय , हिन्दी विभाग

जे .एस विश्वविद्यालय,

शिकोहाबाद, उत्तर प्रदेश

– 283135

आभार

मैं अपना **वी.ए.** प्रोजेक्ट कार्य सफलतापूर्वक पूरा करने पर हार्दिक आभार व्यक्त करता/करती हूँ। इस प्रोजेक्ट के दौरान मुझे जिन व्यक्तियों का सहयोग प्राप्त हुआ, उनके प्रति मैं दिल से आभार प्रकट करना चाहता/चाहती हूँ।

सबसे पहले, मैं अपने मार्गदर्शक [**"डॉ मानि ा सिंह**] का धन्यवाद करना चाहता/चाहती हूँ, जिन्होंने मुझे इस प्रोजेक्ट के दौरान बहुमूल्य मार्गदर्शन और समर्थन प्रदान किया। उनकी सलाह और प्रेरणा के बिना, यह कार्य संभव नहीं हो पाता।

इसके अलावा, मैं अपने माता-पिता, परिवार के सदस्यों और दोस्तों का आभार व्यक्त करता/करती हूँ, जिन्होंने मुझे निरंतर प्रोत्साहन और समर्थन दिया। उनके सहयोग और विश्वास ने मुझे इस प्रोजेक्ट को पूरा करने में सक्षम बनाया।

अंत में, मैं उन सभी स्रोतों, लेखकों और विद्वानों का धन्यवाद करना चाहता/चाहती हूँ, जिनके कार्यों ने मेरे शोध में योगदान दिया। उनके ज्ञान ने मुझे इस प्रोजेक्ट को अधिक समृद्ध और सार्थक बनाने में मदद की।

धन्यवाद।

नाम — विवेक राजपूत

संस्थान का नाम – **जे .एस विश्वविद्यालय,**
शिकोहाबाद, उत्तर प्रदेश

घोषणा पत्र

मैं, विवेक राजपूत ,**वी. ए** संस्कृत विभाग छात्र, यह घोषणा करता/करती हूँ कि मैंने "वाण भाटट की कृतियो में भुकनासोपदे ा का स्थान और महत्व" शीर्षक से प्रोजेक्ट कार्य स्वयं द्वारा, मार्गदर्शन में पूरा किया है।
इस प्रोजेक्ट के सभी तथ्यों, आंकड़ों और सूचनाओं का संग्रहण एवं प्रस्तुतीकरण मेरी अपनी मेहनत और शोध का परिणाम है।

इस प्रोजेक्ट कार्य में प्रस्तुत जानकारी सत्य और सटीक है। मैंने इस प्रोजेक्ट को बनाने के लिए किसी भी अन्य स्रोत से नकल नहीं की है और न ही किसी अन्य व्यक्ति की सहायता से इसे पूरा किया है। यदि इस प्रोजेक्ट कार्य में किसी प्रकार की त्रुटि या गलती पाई जाती है, तो उसकी पूरी जिम्मेदारी मेरी होगी।

दिनांक: 12/7/2024
स्थान: ि ाकोहावाद
नाम: विवेक राजपूत
कक्षा/विभाग: संस्कृत विभाग

प्रमाण पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी ने **विवेक राजपूत,** विश्वविद्यालय/संस्थान **जे .एस विश्वविद्यालय,** के संस्कृत विभाग अंतर्गत **"**वाण भाटट की कृतियो में भ्रुकनासोपदे ा का स्थान और महत्व**"** पर सफलतापूर्वक शोध कार्य पूर्ण किया है।
इनके द्वारा प्रस्तुत शोध कार्य, **डॉ मानि ा सिंह** के मार्गदर्शन में किया गया है। प्रस्तुत शोध कार्य को ध्यान में रखते हुए संतोषजनक रूप से पूर्ण किया गया है।

हम इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

तिथि: [प्रमाण पत्र जारी करने की तिथि]
स्थान: [स्थान का नाम]

हस्ताक्षर:
[पद]
(शोध गाइड का नाम) - डॉ मानि ा सिंह
[विभाग/संस्थान का नाम] - संस्कृत विभाग
जे .एस विश्वविद्यालय,
शिकोहाबाद, उत्तर प्रदेश

" **परियोजना** का शीर्षक"

“ ुकनासोपदे ा प्राचीन भारतीय समाज और राजधर्म का चित्रण”

"परियोजना कार्य"

"बी. ए (संस्कृत) की डिग्री के लिए आवश्यकताओं की आंशिक पूर्ति में प्रस्तुत"

2024

"पर्यवेक्षक"
"डॉ मानि ा सिंह
संस्कृत विभाग प्रमुख
जे .एस विश्वविद्यालय,
शिकोहाबाद, उत्तर प्रदेश

“ भोधार्थी”
मुनन्द्र यादव
क्रमांक सख्या–213080004259

कला संकाय , हिन्दी विभाग

जे .एस विश्वविद्यालय,
शिकोहाबाद, उत्तर प्रदेश
– 283135

आभार

मैं अपना **वी.ए.** प्रोजेक्ट कार्य सफलतापूर्वक पूरा करने पर हार्दिक आभार व्यक्त करता/करती हूँ। इस प्रोजेक्ट के दौरान मुझे जिन व्यक्तियों का सहयोग प्राप्त हुआ, उनके प्रति मैं दिल से आभार प्रकट करना चाहता/चाहती हूँ।

सबसे पहले, मैं अपने मार्गदर्शक [**"डॉ मानि ा सिंह**] का धन्यवाद करना चाहता/चाहती हूँ, जिन्होंने मुझे इस प्रोजेक्ट के दौरान बहुमूल्य मार्गदर्शन और समर्थन प्रदान किया। उनकी सलाह और प्रेरणा के बिना, यह कार्य संभव नहीं हो पाता।

इसके अलावा, मैं अपने माता-पिता, परिवार के सदस्यों और दोस्तों का आभार व्यक्त करता/करती हूँ, जिन्होंने मुझे निरंतर प्रोत्साहन और समर्थन दिया। उनके सहयोग और विश्वास ने मुझे इस प्रोजेक्ट को पूरा करने में सक्षम बनाया।

अंत में, मैं उन सभी स्रोतों, लेखकों और विद्वानों का धन्यवाद करना चाहता/चाहती हूँ, जिनके कार्यों ने मेरे शोध में योगदान दिया। उनके ज्ञान ने मुझे इस प्रोजेक्ट को अधिक समृद्ध और सार्थक बनाने में मदद की।

धन्यवाद।

नाम — मुनन्द्र यादव

संस्थान का नाम – **जे .एस विश्वविद्यालय,**
शिकोहाबाद, उत्तर प्रदेश

घोषणा पत्र

मैं, मुनन्द्र यादव **,वी. ए** संस्कृत विभाग छात्र, यह घोषणा करता/करती हूँ कि मैंने " ुकनासोपदे ा प्राचीन भारतीय समाज और राजधर्म का चित्रण"शीर्षक से प्रोजेक्ट कार्य स्वयं द्वारा, मार्गदर्शन में पूरा किया है।

इस प्रोजेक्ट के सभी तथ्यों, आंकड़ों और सूचनाओं का संग्रहण एवं प्रस्तुतीकरण मेरी अपनी मेहनत और शोध का परिणाम है।

इस प्रोजेक्ट कार्य में प्रस्तुत जानकारी सत्य और सटीक है। मैंने इस प्रोजेक्ट को बनाने के लिए किसी भी अन्य स्रोत से नकल नहीं की है और न ही किसी अन्य व्यक्ति की सहायता से इसे पूरा किया है। यदि इस प्रोजेक्ट कार्य में किसी प्रकार की त्रुटि या गलती पाई जाती है, तो उसकी पूरी जिम्मेदारी मेरी होगी।

दिनांक: 12/7/2024
स्थान: ि ाकोहावाद
नाम: मुनन्द्र यादव
कक्षा/विभाग: संस्कृत विभाग

प्रमाण पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी ने मुनेन्द्र यादव, विश्वविद्यालय/संस्थान **जे .एस विश्वविद्यालय**, के संस्कृत विभाग अंतर्गत " ुकनासोपदे ा प्राचीन भारतीय समाज और राजधर्म का चित्रण"
पर सफलतापूर्वक शोध कार्य पूर्ण किया है।
इनके द्वारा प्रस्तुत शोध कार्य, डॉ मानि ाा **सिंह** के मार्गदर्शन में किया गया है। प्रस्तुत शोध कार्य को ध्यान में रखते हुए संतोषजनक रूप से पूर्ण किया गया है।

हम इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

तिथि: [प्रमाण पत्र जारी करने की तिथि]
स्थान: [स्थान का नाम]

हस्ताक्षर:
[पद]
(शोध गाइड का नाम) - डॉ मानि ाा सिंह
[विभाग/संस्थान का नाम] - संस्कृत विभाग
जे .एस विश्वविद्यालय,
शिकोहाबाद, उत्तर प्रदेश

" **परियोजना** का शीर्षक"

"महाभरत और रामायण में नैतिक मूल्यों का चित्रण"

"परियोजना कार्य"

"**बी. ए** (संस्कृत) की डिग्री के लिए आवश्यकताओं की आंशिक पूर्ति में प्रस्तुत"

2024

"पर्यवेक्षक"

"डॉ मानि ॥ सिंह

संस्कृत विभाग प्रमुख

जे .एस विश्वविद्यालय,

शिकोहाबाद, उत्तर प्रदेश

" भोधार्थी"

कु0 माधुरी

क्रमांक सख्या–213080004209

कला संकाय , हिन्दी विभाग

जे .एस विश्वविद्यालय,

शिकोहाबाद, उत्तर प्रदेश

– 283135

आभार

मैं अपना **वी.ए.** प्रोजेक्ट कार्य सफलतापूर्वक पूरा करने पर हार्दिक आभार व्यक्त करता/करती हूँ। इस प्रोजेक्ट के दौरान मुझे जिन व्यक्तियों का सहयोग प्राप्त हुआ, उनके प्रति मैं दिल से आभार प्रकट करना चाहता/चाहती हूँ।

सबसे पहले, मैं अपने मार्गदर्शक [**"डॉ मानि ा सिंह**]का धन्यवाद करना चाहता/चाहती हूँ, जिन्होंने मुझे इस प्रोजेक्ट के दौरान बहुमूल्य मार्गदर्शन और समर्थन प्रदान किया। उनकी सलाह और प्रेरणा के बिना, यह कार्य संभव नहीं हो पाता।

इसके अलावा, मैं अपने माता-पिता, परिवार के सदस्यों और दोस्तों का आभार व्यक्त करता/करती हूँ, जिन्होंने मुझे निरंतर प्रोत्साहन और समर्थन दिया। उनके सहयोग और विश्वास ने मुझे इस प्रोजेक्ट को पूरा करने में सक्षम बनाया।

अंत में, मैं उन सभी स्रोतों, लेखकों और विद्वानों का धन्यवाद करना चाहता/चाहती हूँ, जिनके कार्यों ने मेरे शोध में योगदान दिया। उनके ज्ञान ने मुझे इस प्रोजेक्ट को अधिक समृद्ध और सार्थक बनाने में मदद की।

धन्यवाद।

नाम – कु0 माधुरी
संस्थान का नाम – **जे .एस विश्वविद्यालय,**
शिकोहाबाद, उत्तर प्रदेश

घोषणा पत्र

मैं, **कु0 माधुरी ,बी. ए संस्कृत विभाग** छात्र, यह घोषणा करता/करती हूँ कि मैंने **महाभरत और रामायण में नैतिक मूल्यों का चित्रण** शीर्षक से प्रोजेक्ट कार्य स्वयं द्वारा, मार्गदर्शन में पूरा किया है। इस प्रोजेक्ट के सभी तथ्यों, आंकड़ों और सूचनाओं का संग्रहण एवं प्रस्तुतीकरण मेरी अपनी मेहनत और शोध का परिणाम है।

इस प्रोजेक्ट कार्य में प्रस्तुत जानकारी सत्य और सटीक है। मैंने इस प्रोजेक्ट को बनाने के लिए किसी भी अन्य स्रोत से नकल नहीं की है और न ही किसी अन्य व्यक्ति की सहायता से इसे पूरा किया है। यदि इस प्रोजेक्ट कार्य में किसी प्रकार की त्रुटि या गलती पाई जाती है, तो उसकी पूरी जिम्मेदारी मेरी होगी।

दिनांक: **12/7/2024**
स्थान: ि ाकोहावाद
नाम: कु0 माधुरी
कक्षा/विभाग: संस्कृत विभाग

प्रमाण पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी ने **विमल कि ोर,** विश्वविद्यालय/संस्थान **जे .एस विश्वविद्यालय,** के संस्कृत विभाग अंतर्गत महाभरत और रामायण में नैतिक मूल्यों का चित्रण"पर सफलतापूर्वक शोध कार्य पूर्ण किया है। इनके द्वारा प्रस्तुत शोध कार्य, **डॉ मानि ा सिंह** के मार्गदर्शन में किया गया है। प्रस्तुत शोध कार्य को ध्यान में रखते हुए संतोषजनक रूप से पूर्ण किया गया है।

हम इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

तिथि: [प्रमाण पत्र जारी करने की तिथि]
स्थान: [स्थान का नाम]

हस्ताक्षर:
[पद]
(शोध गाइड का नाम) - डॉ मानि ा सिंह
[विभाग/संस्थान का नाम] - संस्कृत विभाग
जे .एस विश्वविद्यालय,

" **परियोजना** का शीर्षक"

"भास के नाटकों में सामजिक और राजनीतिक द्रश्टि कोण"

"परियोजना कार्य"

"**बी.** ए (संस्कृत) की डिग्री के लिए आवश्यकताओं की आंशिक पूर्ति में प्रस्तुत"

2024

"पर्यवेक्षक"

"डॉ मानि ा सिंह

संस्कृत विभाग प्रमुख

जे .एस विश्वविद्यालय,

शिकोहाबाद, उत्तर प्रदेश

" भोधार्थी"

भालिनी

क्रमांक सख्या–213080004410

कला संकाय , हिन्दी विभाग

जे .एस विश्वविद्यालय,

शिकोहाबाद, उत्तर प्रदेश

– 283135

आभार

मैं अपना **वी.ए.** प्रोजेक्ट कार्य सफलतापूर्वक पूरा करने पर हार्दिक आभार व्यक्त करता/करती हूँ। इस प्रोजेक्ट के दौरान मुझे जिन व्यक्तियों का सहयोग प्राप्त हुआ, उनके प्रति मैं दिल से आभार प्रकट करना चाहता/चाहती हूँ।

सबसे पहले, मैं अपने मार्गदर्शक [मार्गदर्शक का नाम] का धन्यवाद करना चाहता/चाहती हूँ, जिन्होंने मुझे इस प्रोजेक्ट के दौरान बहुमूल्य मार्गदर्शन और समर्थन प्रदान किया। उनकी सलाह और प्रेरणा के बिना, यह कार्य संभव नहीं हो पाता।

इसके अलावा, मैं अपने माता-पिता, परिवार के सदस्यों और दोस्तों का आभार व्यक्त करता/करती हूँ, जिन्होंने मुझे निरंतर प्रोत्साहन और समर्थन दिया। उनके सहयोग और विश्वास ने मुझे इस प्रोजेक्ट को पूरा करने में सक्षम बनाया।

अंत में, मैं उन सभी स्रोतों, लेखकों और विद्वानों का धन्यवाद करना चाहता/चाहती हूँ, जिनके कार्यों ने मेरे शोध में योगदान दिया। उनके ज्ञान ने मुझे इस प्रोजेक्ट को अधिक समृद्ध और सार्थक बनाने में मदद की।

धन्यवाद।

नाम — , भालिनी
संस्थान का नाम – **जे .एस विश्वविद्यालय,**
शिकोहाबाद, उत्तर प्रदेश

घोषणा पत्र

मैं, भालिनी **वी. ए** संस्कृत विभाग छात्र, यह घोषणा करता/करती हूँ कि मैंने भास के नाटकों में सामजिक और राजनीतिक द्रश्टि कोण"शीर्षक से प्रोजेक्ट कार्य स्वयं द्वारा, मार्गदर्शन में पूरा किया है।
इस प्रोजेक्ट के सभी तथ्यों, आंकड़ों और सूचनाओं का संग्रहण एवं प्रस्तुतीकरण मेरी अपनी मेहनत और शोध का परिणाम है।

इस प्रोजेक्ट कार्य में प्रस्तुत जानकारी सत्य और सटीक है। मैंने इस प्रोजेक्ट को बनाने के लिए किसी भी अन्य स्रोत से नकल नहीं की है और न ही किसी अन्य व्यक्ति की सहायता से इसे पूरा किया है। यदि इस प्रोजेक्ट कार्य में किसी प्रकार की त्रुटि या गलती पाई जाती है, तो उसकी पूरी जिम्मेदारी मेरी होगी।

दिनांक: 12/7/2024
स्थान: f ाकोहावाद
नाम: भालिनी
कक्षा/विभाग: संस्कृत विभाग

प्रमाण पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी ने भालिनी, विश्वविद्यालय/संस्थान **जे .एस विश्वविद्यालय**, के संस्कृत विभाग अंतर्गत "नीति ातक में नीतिवचन और नैतिकता का चित्रण "परसफलतापूर्वक शोध कार्य पूर्ण किया है।इनके द्वारा प्रस्तुत शोध कार्य, **डॉ मानि ा सिंह** के मार्गदर्शन में किया गया है।
प्रस्तुत शोध कार्य को ध्यान में रखते हुए संतोषजनक रूप से पूर्ण किया गया है।
हम इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

तिथि: [प्रमाण पत्र जारी करने की तिथि]
स्थान: [स्थान का नाम]

हस्ताक्षर:
[पद]
(शोध गाइड का नाम) - डॉ मानि ा सिंह
[विभाग/संस्थान का नाम] - संस्कृत विभाग
जे .एस विश्वविद्यालय,

" **परियोजना** का शीर्षक"

"नीति ातक में नीतिवचन और नैतिकता का चि़त्रण "

"परियोजना कार्य"

"**बी. ए** (संस्कृत) की डिग्री के लिए आवश्यकताओं की आंशिक पूर्ति में प्रस्तुत"

2024

"पर्यवेक्षक"

"डॉ मानि ा सिंह

संस्कृत विभाग प्रमुख

जे .एस विश्वविद्यालय,

शिकोहाबाद, उत्तर प्रदेश

" भोधार्थी"

विमल कि ोर

क्रमांक सख्या–213080004480

कला संकाय , हिन्दी विभाग

जे .एस विश्वविद्यालय,

शिकोहाबाद, उत्तर प्रदेश

– 283135

आभार

मैं अपना **वी.ए.** प्रोजेक्ट कार्य सफलतापूर्वक पूरा करने पर हार्दिक आभार व्यक्त करता/करती हूँ। इस प्रोजेक्ट के दौरान मुझे जिन व्यक्तियों का सहयोग प्राप्त हुआ, उनके प्रति मैं दिल से आभार प्रकट करना चाहता/चाहती हूँ।

सबसे पहले, मैं अपने मार्गदर्शक **["डॉ मानि ा सिंह]** का धन्यवाद करना चाहता/चाहती हूँ, जिन्होंने मुझे इस प्रोजेक्ट के दौरान बहुमूल्य मार्गदर्शन और समर्थन प्रदान किया। उनकी सलाह और प्रेरणा के बिना, यह कार्य संभव नहीं हो पाता।

इसके अलावा, मैं अपने माता-पिता, परिवार के सदस्यों और दोस्तों का आभार व्यक्त करता/करती हूँ, जिन्होंने मुझे निरंतर प्रोत्साहन और समर्थन दिया। उनके सहयोग और विश्वास ने मुझे इस प्रोजेक्ट को पूरा करने में सक्षम बनाया।

अंत में, मैं उन सभी स्रोतों, लेखकों और विद्वानों का धन्यवाद करना चाहता/चाहती हूँ, जिनके कार्यों ने मेरे शोध में योगदान दिया। उनके ज्ञान ने मुझे इस प्रोजेक्ट को अधिक समृद्ध और सार्थक बनाने में मदद की।

धन्यवाद।

नाम – **विमल कि ोर**
संस्थान का नाम – **जे .एस विश्वविद्यालय,**
शिकोहाबाद, उत्तर प्रदेश

घोषणा पत्र

मैं, विमल कि ोर **,वी. ए** संस्कृत **विभाग** छात्र, यह घोषणा करता/करती हूँ कि मैंने**"नीति तक में नीतिवचन और नैतिकता का चित्रण** शीर्षक से प्रोजेक्ट कार्य स्वयं द्वारा, मार्गदर्शन में पूरा किया है। इस प्रोजेक्ट के सभी तथ्यों, आंकड़ों और सूचनाओं का संग्रहण एवं प्रस्तुतीकरण मेरी अपनी मेहनत और शोध का परिणाम है।

इस प्रोजेक्ट कार्य में प्रस्तुत जानकारी सत्य और सटीक है। मैंने इस प्रोजेक्ट को बनाने के लिए किसी भी अन्य स्रोत से नकल नहीं की है और न ही किसी अन्य व्यक्ति की सहायता से इसे पूरा किया है। यदि इस प्रोजेक्ट कार्य में किसी प्रकार की त्रुटि या गलती पाई जाती है, तो उसकी पूरी जिम्मेदारी मेरी होगी।

दिनांक: 12/7/2024
स्थान: ि ाकोहावाद
नाम: विमल कि ोर
कक्षा/विभाग: संस्कृत विभाग

प्रमाण पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी ने **विमल कि ोर,** विश्वविद्यालय/संस्थान **जे .एस विश्वविद्यालय,** के संस्कृत विभाग अंतर्गत "नीति ातक में नीतिवचन और नैतिकता का चित्रण "परसफलतापूर्वक शोध कार्य पूर्ण किया है।इनके द्वारा प्रस्तुत शोध कार्य, **डॉ मानि ा सिंह** के मार्गदर्शन में किया गया है। प्रस्तुत शोध कार्य को ध्यान में रखते हुए संतोषजनक रूप से पूर्ण किया गया है।

हम इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

तिथि: [प्रमाण पत्र जारी करने की तिथि]
स्थान: [स्थान का नाम]

हस्ताक्षर:
[पद]
(शोध गाइड का नाम) - डॉ मानि ा सिंह
[विभाग/संस्थान का नाम] - संस्कृत विभाग
जे .एस विश्वविद्यालय,